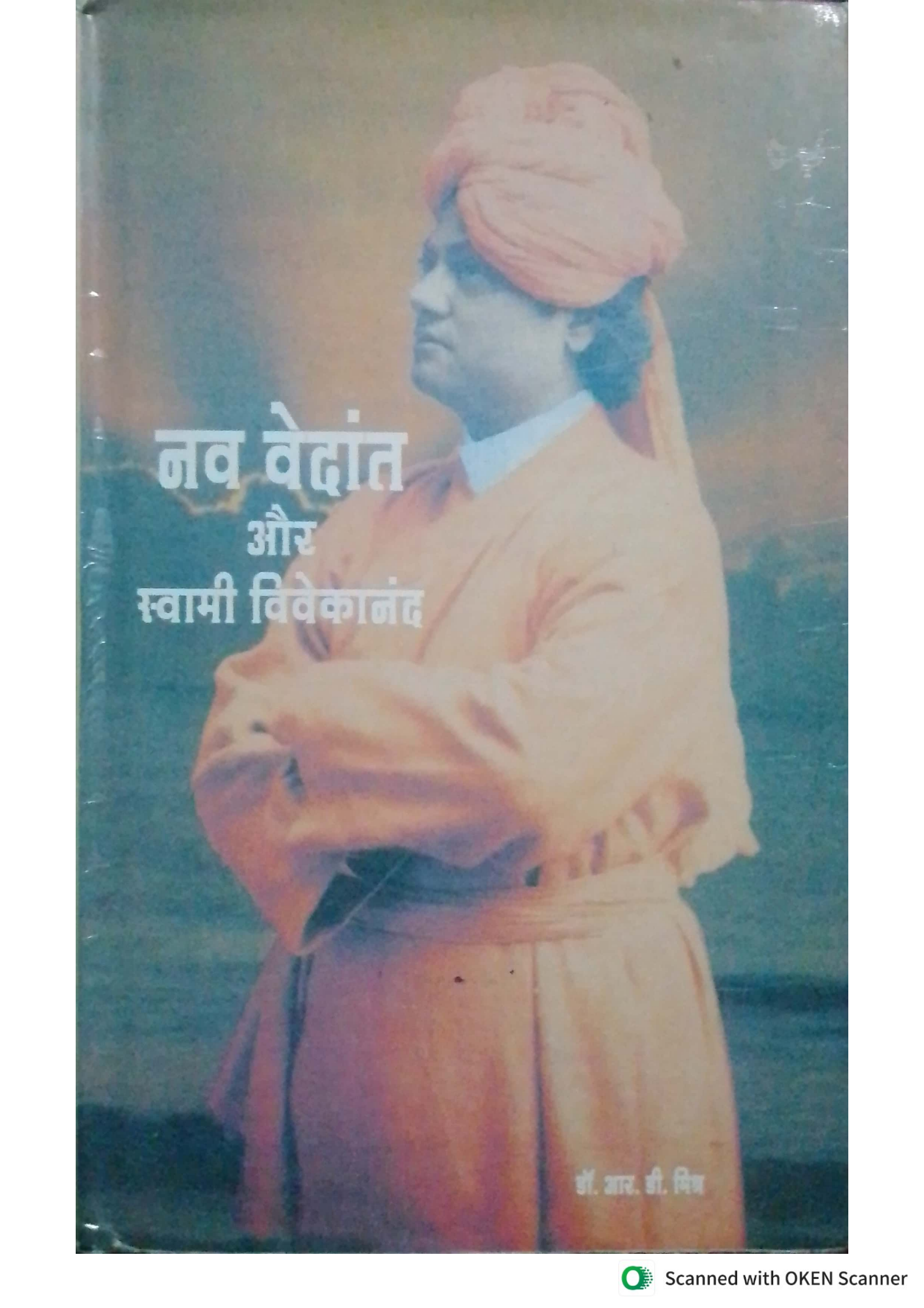


A portrait of Swami Vivekananda, a prominent figure in the Indian Renaissance movement. He is depicted from the waist up, wearing a traditional orange robe and a matching turban. His arms are crossed over his chest, and he has a serene expression, looking slightly to the left. The background is a soft, out-of-focus landscape with greenery and a hint of a building in the distance.

# नव वेदांत और स्वामी विवेकानंद

डॉ. आर. डी. मिश्र

# नव वेदांत और स्वामी विवेकानंद

© प्रकाशक

ISBN - 81-88289-12-4

प्रथम संस्करण : 2005

मूल्य : 180/-

प्रकाशक :

विश्वविद्यालय प्रकाशन, सागर

247, जवाहरगंज,

सागर-470002 (म.प्र.)

☎ 07582-243598

लेजर कम्पोजिंग :

एक्टिव कम्प्यूटर्स, सागर (म.प्र.)

☎ 503225

मुद्रक :

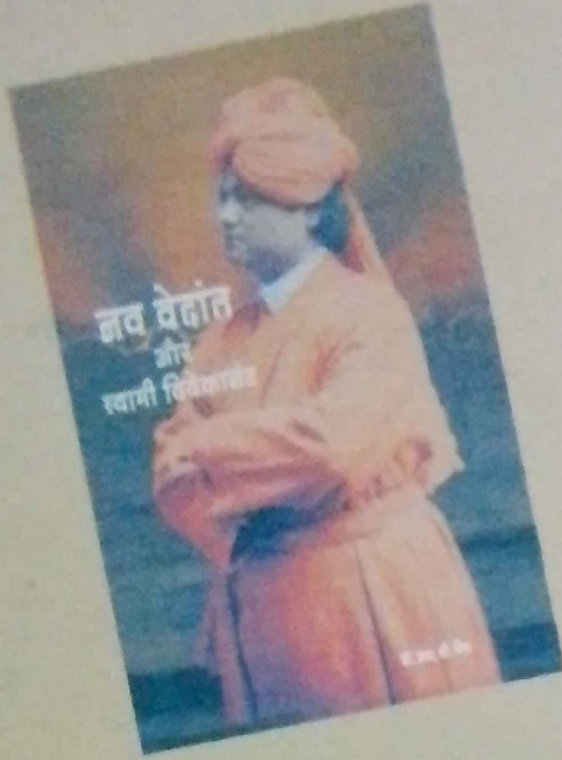
बुकमैन प्रिन्टर्स, दिल्ली

☎ 9810367902, 30945590

आवरण : 'विवेक ज्योति' से साभार

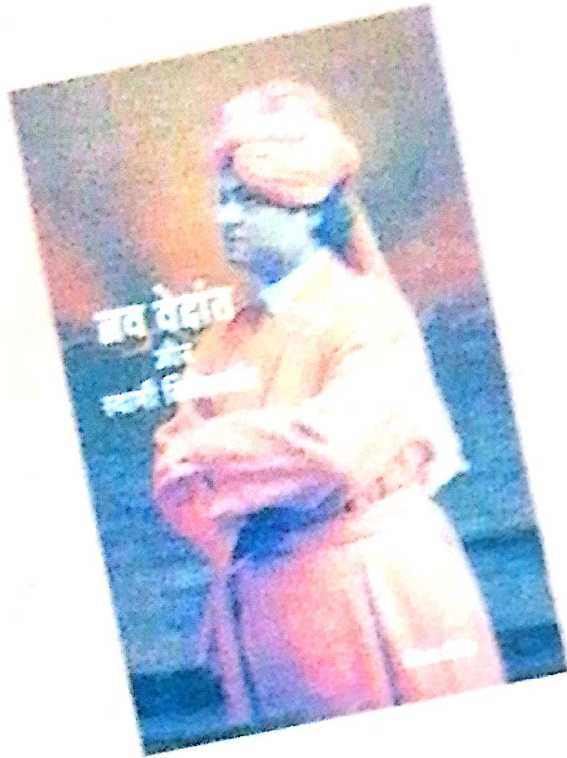
## अनुक्रम

|                                    |     |
|------------------------------------|-----|
| ठाकुर के नरेन                      | 13  |
| नरेन के ठाकुर                      | 38  |
| नवोन्मेष की पीठिका : आलोक की किरण  | 60  |
| वेदांत दर्शन : चिंतन की ऊष्मा      | 79  |
| धरती की सम्वेदना : वेदांत की ध्वनि | 103 |
| शेष लेखा                           | 126 |



“पुराना धर्म कहता है कि नास्तिक वह है जो ईश्वर पर विश्वास नहीं करता ।  
मेरा नया धर्म कहता है कि नास्तिक वह है जो अपने आप पर विश्वास नहीं करता ।  
विश्वास, विश्वास, एक क्षण का विश्वास अनेक विश्वासों का सृजन करता है ।”

- स्वामी विवेकानंद



“पुराना धर्म कहता है कि तामितक वह है ओ ईश्वर पर विश्वास नहीं करता ।  
मेरा नया धर्म कहता है कि तामितक वह है ओ अपने आप पर विश्वास नहीं करता ।  
विश्वास, विश्वास, एक क्षण का विश्वास अनेक विश्वासों का सूत्रन करता है ।”

- स्वामी विवेकानंद